jointly by the State and central Govern ment

State	Rail line	Cost (Rs. in crores)	Cost borne by
Maharashtra . . .	Mankhurd-Belapur (18 Km)	132	67% by City Industrial Development Corpn. (CIDCO) of State Government and 33% by Railways.
Maharashtra . . .	Kalwa-Thurbe (14 Km)	17	100% by CIDCO
Maharashtra . . .	Belapur-Panvel (11 Km)	22	100% by CIDCO

(b) The criteria adopted in such cases are as follows:—

Any siding specifically required by an industry/agency is to be constructed at its cost. Certain specified items of work, like track, bridges and signalling are invariably to be done by the Railways, on deposit terms, or through approved agencies like RITES and IRCON. Other items of work are allowed to be done by the party according to the Railways' specifications.

Lines for public carriage of passengers are normally constructed by the Railways at their own cost. However, in the case of the Mankhurd-Belapur extension of the existing suburban railway system of Central Railway, a consortium approach has been adopted, the Maharashtra Government agreeing to share 67 per cent of the cost. This project is being executed by the Railways.

(c) No, Sir. State Governments have, on their own, been recommending construction of certain rail lines.

(d) No, Sir.

Grant-in-aid to Matru Mandir, Maharashtra

898 SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have decided to restore the grant-in-aid to Matru Mandir, Maharashtra; and

(b) if so, since when; and if not, what are the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS AND WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) and (b) The matter is under consideration.

ज्योतिर्लिंग महादेव मन्दिर के लिये विशेष रेल सेवा

899. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :**
श्री राम चन्द्र विकल :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार में वैधनाथधाम स्थित ज्योतिर्लिंग महादेव मंदिर में देश के प्रत्येक भाग से सावन भादों के महीने में लगभग एक लाख भक्तगण आते हैं लेकिन इस स्थान के लिये उस विशेष समय में बिहार के किसी भी भाग से कोई विशेष रेल गाडियां नहीं चलाई जाती हैं ;

(ख) क्या वर्षों से जन प्रतिनिधि इस प्रकार की विशेष रेल गाड़ियों की निरन्तर मांग करते आ रहे हैं और क्या रेल प्राधिकारियों का ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया गया है कि भक्त गण गंगा स्नान जल भरने के लिए पहले सुल्तानगंज-अजगैवी नाथ (पर्व रेलवे) आते है और यहां गंगा में स्नान करने के बाद अधिकांश भक्तगण पवित्र जल के साथ या पैदल चलकर या उनमें से कुछ लोग अपनी मोटर-गाड़ियों द्वारा वहां पहुंचते हैं लेकिन ए

सभी भक्तगण वहां से सिर्फ रेल गाड़ियों द्वारा ही अपने-अपने स्थानों को लौटते हैं यदि हां, तो क्या रेलवे ने इस संबंध में कोई मूल्यांकन किया है ; और

(ग) विशेष रेलगाड़ियों चलाने और अन्य सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए दोहरी रेल लाइन का निर्माण करने हेतु क्या प्रबन्ध किये जा रहे हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) से (ग) जी नहीं। जसीडीह-बेरोनी पटना-जसीडीह और भागलपुर-जसीडीह के बीच विशेष गाड़ियां चलायी जाती हैं। इसके अतिरिक्त, मेला यातायात की मांग को पूरा करने के लिए या तो गाड़ियों का चालन-क्षेत्र बढ़ाया जाता है या डिब्बों की संख्या बढ़ायी जाती है।

(घ) जसीडीह, किउल और पटना के बीच दोहरी लाइन है। किउल और भागलपुर के बीच नाजक खंडों पर कहीं-कहीं दोहरी लाइन बिछाने का काम प्रारम्भ कर दिया गया है।

पूर्व रेलवे के बरियारपुर स्टेशन पर स्टेशन भवन का निर्माण, स्टेशन के प्लेटफार्म का ऊंचा किया जाना तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं

900. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :**
श्री राम चन्द्र विकल :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मंत्री, महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे, प्रबंधक, मालदा इत्यादि तथा अन्य प्राधिकारियों के आश्वासनों के बावजूद पूर्व रेलवे के बरियारपुर स्टेशन पर निम्नलिखित सुविधाओं को अभी तक उपलब्ध नहीं कराया गया है, अर्थात् (1) स्टेशन भवन का निर्माण, (2) प्लेटफार्म का ऊँचा किया जाना (3) पीने के पानी की स्थायी व्यवस्था (4) दो स्थायी टिकट वालों की नियुक्ति (5) (i) पीने के पानी की पूर्ति करने के लिए 6 पानी वाले (ii) 3 सफाई कर्मचारी (iii) एक अस्पताल (iv) माली (v) स्थायी और अंशकालिक खलासी (vi) विद्यालय (vii) क्लब (viii) खेल का मैदान तथा रेलवे कर्मचारियों के बच्चों के लिए खेलकूद की अन्य सुविधाएं और (ix) रेलवे स्टेशन पर पुस्तकों की दुकानें,

(ख) क्या यह भी सच है कि सब्जियों के मौसम में टमाटर और परमल देश के प्रत्येक भाग में सप्लाई किये जाते हैं लेकिन इस स्टेशन पर वैगनों, ब्रेक वैगनों तथा सामान को चढ़ाने की कोई स्थायी सुविधा नहीं है हालांकि इस लाइन पर यह ऐसा एक माल स्टेशन है और इस स्टेशन पर गाड़ियां अधिक समय तक रुकती है तथा यहां स्थायी कुलियों आदि की भी सुविधाएं नहीं हैं, और

(ग) इस संबंध में क्या-क्या कदम उठाये जाने का विचार है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री महावीर प्रसाद) : (क) बरियापुर एक छोटा स्टेशन है जहां ऊंचे दर्जे का एक तथा दूसरे दर्जे के दो प्रतीक्षा कक्ष उपलब्ध है। ये इस स्टेशन पर सम्हाले जा रहे यातायात के वर्तमान स्तर के लिए पर्याप्त समझे जाते है। प्लेटफार्म को ऊंचा करने से संबंधित काम दोहरी लाइन बिछाने का कार्य करते समय, जो चल रहा है, शुरू किया जायेगा। स्टेशन पर पानी की सप्लाई में सुधार करने के लिए एक बिजली पम्प लगाया जा रहा है। स्टेशन पर टिकटों की बिक्री करने के लिए दो वाणिज्यिक कर्मचारी तथा पीने के पानी की सप्लाई करने के लिए एक पानी वाला उपलब्ध हैं जो स्टेशन पर सम्हाले जाने वाले यातायात के वर्तमान स्तर के लिए पर्याप्त समझे जाते हैं आवश्यकतानुसार एक सफाईवाला भी उपलब्ध है।